तृतीय दीक्षान्त समारोह

मंगलवार, 26 अप्रेल, 2016

Third Convocation

Tuesday, 26th April 2016

Welcome Address

By

Dr. Raja Babu Panwar

Vice-Chancellor

Rajasthan University of Health Sciences

Jaipur

राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, जयपुर

RAJASTHAN UNIVERSITY OF HEALTH SCIENCES, JAIPUR

कुलपति महोदय का भाषण

माननीय श्री कल्याण सिहं जी, राज्यपाल राजस्थान एवं कुलाधिपति, राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, आदरणीय श्री राजेन्द्र राठौड साहब, चिकित्सा मंत्री, राजस्थान सरकार, पदमश्री डॉ. अशोक पनगड़िया पूर्व कुलपति, प्रबंध मण्डल के सम्मानीय सदस्यगण, विद्या परिषद के सदस्यगण, सभी संकायों के अधिष्ठाता, डी.एम, एम.सी.एच एवं पी.एच.डी की उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों, स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले छात्र–छात्राएं, उपस्थित चिकित्सकगण, मीडिया के सदस्य, विश्वविद्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारीगण, प्रिय छात्रों, देवियों एवं सज्जनों।

राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षान्त समारोह के अवसर पर मंचासीन सम्मानीय अथितिगण एवं समारोह में उपस्थित आप सभी का मैं हार्दिक अभिनन्दन करता हूँ। आज उपाधि प्राप्त करने वाले समस्त छात्रों को बधाई देता हूँ।

आज एक सुखद अनुभूति है कि दीक्षांत समारोह के लिए वेशभूषा में एक आमूलचूल परिवर्तन एक अनूठी एवं अनुकरणीय मिसाल है। मैं व्यक्तिशः राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के माननीय कुलाधिपति महोदय का शुक्रिया अदा करना चाहता हूँ। वेशभूषा का भारतीयता का प्रतीक प्रदान करने का आपका योगदान 'साधुवाद' योग्य है। यह मेरा सौभाग्य है कि आपके मार्गदर्शन में कार्य करने का मुझे सुअवसर प्राप्त हुआ है। आप सादा जीवन उच्चविचार की धारणा वाले व्यक्तित्व के रूप में पहचाने जाते हैं। आज आपके व्यक्तित्व का प्रभाव राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय की गतिविधियों एवं कार्य प्रणाली में भी झलकता है। माननीय श्री कल्याण सिंह जी एक पितामह अभिभावक के रूप में राजस्थान प्रदेश को मार्गदर्शन प्रदान कर रहें हैं।

माननीय श्री राजेन्द्र राठौड साहब, चिकित्सा मंत्री, राजस्थान सरकार आज इस दीक्षान्त समारोह में हमारे बीच उपस्थित हैं। मैं आपका हार्दिक अभिनन्दन करता हूँ। उन्होंने अपना कीमती समय निकाल कर हमें अनुग्रहित किया है इसके लिए मैं विश्वविद्यालय परिवार की तरफ से आपका बहुत आभारी हूँ। आप हमेशा विश्वविद्यालय की समस्याओं के समाधान के लिए तत्पर रहते हैं। आपके आशीर्वाद के साथ विश्वविद्यालय उत्कृष्ट मानकों के साथ प्रगति पथ पर अग्रसर है।

यह हमारे लिए बड़े हर्ष की बात है कि हमारे ही परिवार के माननीय सदस्य पद्मश्री अशोक पानगडिया साहब, दीक्षान्त समारोह के प्रमुख वक्ता के रूप में हमारे बीच उपस्थित हैं। आप देश के प्रख्यात न्यूरोलोजिस्ट हैं, और राजस्थान के एक लोकप्रिय डॉक्टर हैं जिनकी सेवाओं का लाभ निरंतर रोगियों को आज भी मिल रहा है। मैं आपका हार्दिक अभिनन्दन करता हूँ।

गत एक वर्ष में राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय ने प्रगति के कई सौपान तय किये हैं। यह हमारे विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों के अथक प्रयास, उनकी मेहनत एवं समर्पितभाव से ही संभव हो सका है। राजस्थान के समस्त विश्वविद्यालयों में हमारा विश्वविद्यालय एक अग्रणी विश्वविद्यालय है जो कि आज आर्थिक स्वावलबंन की स्थिति में है।

विश्वविद्यालय सभी विधाओं में आधुनिकरण करते हुए, एक उत्कृष्ट संस्थान के रूप में अग्रसर प्रगति कर रहा है। यह विश्वविद्यालय की विभिन्न परीक्षाओं के लिए परीक्षा केन्द्रों पर प्रश्न–पत्र ऑनलाईन प्रेषित करने वाला भारत का अग्रणी विश्वविद्यालय है।

भारत वर्ष की अन्वेषण के लिए प्रख्यात उच्चतम संस्थान आई.सी.एम.आर की मदद से विश्वविद्यालय के संघटक महाविद्यालयों एवं इससे संबद्ध कई महाविद्यालयों मे उच्च श्रेणी के अन्वेषण एवं शोध कार्य किये जा रहे हैं। नेशलन एकेडमी ऑफ साईन्सेज, इंडिया एवं आई.सी.एम.आर ने इस विश्वविद्यालय को अति उपयुक्त संस्थान मानते हुए इसी वर्ष पब्लिक हैल्थ रिसर्च के लिए एक चेयर स्थापित की है एवं आई.सी.एम.आर. के पूर्व डायरेक्टर डॉ. वी.एम. कटोच ने इस चेयर पर राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय में पद ग्रहण कर लिया है, जो कि हमारे लिए एक गौरव का विषय है।

पूर्व में आइंसटीन स्कूल ऑफ मेडिसिन, न्यूयॉर्क से किये गये कॉलोबरेशन के अतिरिक्त राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय की शैक्षणिक एवं अन्वेषण संबंधी गतिविधियों से प्रभावित होकर आईकन **(ICHAN)** स्कूल ऑफ मेडिकल साईन्सेज, माउण्ट सिनाई, यू.एस.ए. के डीन डेविड मूलर ने भी कॉलोबरेशन के बारे में वार्ता करने के लिए स्वास्थ्य मंत्री, प्रमुख शासन सचिव एवं कुलपति, राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय को न्यूयॉर्क आमंत्रित किया है। इसी कड़ी में भारतीय मूल के अमेरिका में कार्यरत फिजिशियन की संस्था आपी **(AAPI- American Association of Physicians of Indian origin)** के साथ राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय का कोलोब्रेशन परिपक्व हो गया है। आपी के करीब 1 लाख सदस्य हैं, जिसने राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के किसी एक सम्बद्ध महाविद्यालय में पूर्ण रूप से विकसित एक सी.सी.यू. प्रारम्भ करने का निर्णय लिया है एवं साथ ही विश्वविद्यालय के कोलोब्रेशन से एलर्जी एवं इम्यूनोलोजी में फेलोशिप तथा कार्डियोलॉजी में एक्चेंज प्रोग्राम भी प्रारम्भ करने का निर्णय लिया है।

विश्वस्तरीय मेडिकल संस्थानों से विजिटिंग फेकल्टी, राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के संघटक आयुर्विज्ञान महाविद्यालय के छात्रों के साथ संवाद एवं चर्चा हेतु आमंत्रित किये जाते हैं ताकि छात्रों को उच्चस्तरीय शिक्षा, कौशल व शोध के लिए उत्साहित किया जा सके। इसी कम में आइंस्टीन स्कूल ऑफ मेडिसिन, यू.एस.ए. के प्रोफेसर डॉ. संजीव गुप्ता तथा माउण्ट सिनोई, यू. एस.एस के प्रोफेसर डॉ. जगत नरूला, युनिवर्सिटी ऑफ अल्बामा, बर्मिंघम के डॉ. नवीन सी. नंदा,

ICMR के डॉ. वी.एम. कटोच हमारे आयुर्विज्ञान महाविद्यालय के छात्रों से Interaction कर चुके हैं।

विश्वविद्यालय के डेन्टल कॉलेज एवं एस.एम.एस. मेडिकल कॉलेज के संयुक्त कोलोब्रेशन से मानव स्वास्थ्य के उत्थान एवं विकास की दिशा में एस.एम.एस. मेडिकल कॉलेज की "स्टेम सेल लेबोरेटरी" में प्रथम बार मानव डेन्टल पल्प स्टेम सेल विकसित कर रिसर्च कार्य पूर्ण किया है। इस तकनीक को डेन्टल इंप्लांट एवं टिश्यू ग्रोथ के रूप के काम में लिया जायेगा, जिसे निकट भविष्य में निदरलैण्ड में आयोजित होने वाली कान्फ्रेन्स में प्रेजेन्टेशन हेतु चयनित किया गया है।

विश्वविद्यालय द्वारा E-health पर आधारित रिसर्च प्रोजेक्ट के तहत ग्रामीणों की बीमारियों के त्वरित ईलाज एवं अनुसंधान हेतु डाटा संग्रहण के लिए एक एप (एप्लीकेशन) विकसित की गई है, जिसके माध्यम से ग्रामवासियों को बीमारियों की रोकथाम एवं उनके ईलाज के तरीके बताये जाकर उन्हें स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया जा रहा है एवं रोग निदान का कार्य प्रगति पर है।

विश्वविद्यालय के ही अन्य रिसर्च प्रोजेक्ट M-health के तहत गांव में प्रसूताओं में प्रसव–पूर्व एवं उपरान्त पोषण, दवाईयां व स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता लाने, संस्थान प्रसव के लिए प्रेरित करने का कार्य किया जा रहा है जिससे मातृ एवं शिशू मृत्युदर कम होने की पूरी संभावना है।

हाल ही में इस विश्वविद्यालय ने टेली–मेडिसिन पर आधारित एक ऐसा पाईलट प्रोजेक्ट पूरा किया है जिसमें गांव में रोगी का ई.सी.जी. किया जाता है और उसी समय उसकी लाईव रिकार्डिंग एस.एम.एस हॉस्पीटल में हो रही होती है। इससे हृदय की गंभीर बीमारी में विशेषज्ञों द्वारा सुझाया गया ईलाज रोगी को गांव में दिया जाना संभव है। इस प्रोजेक्ट के परिणाम काफी उत्साहवर्धक हैं।

माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति महोदय की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन से "ग्राम उदय भारत उदय" को साकार करने के उदे्श्य से राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय ने जयपुर से 60 किलोमीटर दूर स्थित गांव अजमेरीपुरा को सर्वांगीण विकास के लिए गोद लिया है। इसके तहत किये गये सर्वे में पाया गया है कि यहां के 20 प्रतिशत लोग तम्बाकू का सेवन करते हैं। इसकी रोकथाम के लिये एक डी एडिक्शन प्रोग्राम प्लान किया गया है। इस विश्वविद्यालय का यह उदे्श्य है कि गांव अजमेरीपुरा को सम्पूर्ण स्वास्थ्य लाभ दिया जाए। "स्वच्छ भारत अभियान" के तहत गांव में साफ–सफाई कराई जाकर घरों में शौचालयों का निर्माण कराया गया है। "सर्व शिक्षा अभियान" के उद्धेश्यों की पूर्ति हेतु गांव के विद्यालय में दो अतिरिक्त कमरें कक्षाओं को चलाने हेतु बनवाये जा रहे हैं एवं विद्यालय में स्मार्ट–क्लास के संचालन हेतु एक कक्षा में उपकरण स्थापित किये गये हैं। गांव की लोकल सखियों का समूह बनाकर प्रौढ शिक्षा को बढावा दिया जा रहा है। "मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान" के उद्धेश्यों की दिशा में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित करने, वर्षाजल के अधिकाधिक संरक्षण हेतु तालाब को गहरा करवाने आदि कार्य किये जा रहे हैं। गांव में "बीसलपुर जल योजना" के

माध्यम से पानी उपलब्ध कराने हेतु PHED विभाग द्वारा तीन माह में आवश्यक कार्यवाही की जाकर अजमेरीपुरा ग्रामवासियों को बीसलपुर बांध का पानी उपलब्ध कराये जाने हेतु आश्वासित किया है। ग्रामीणों को फ्लोराईड–मुक्त स्वच्छ पीने का पानी उपलब्ध कराने हेतु गांव व स्कूल में आर.ओ. सिस्टम लगाये गये हैं। गांव के बिजली, आंगनवाड़ी केन्द्र, उचित मूल्य की दूकान, परिवहन सुविधा आदि से संबंधित समस्याओं को दूर करने हेतु भी विश्वविद्यालय द्वारा कार्य किये गये हैं। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय द्वारा गांव में एक "बहुद्धशीय केन्द्र" (Multi-purpose Centre) की स्थापना की जाकर उसमें स्वास्थ्य केन्द्र, परामर्श केन्द्र, नशा–मुक्ति केन्द्र व सूचना एवं प्रौद्योगिकी केन्द्र जैसी सुविधाऐं ग्रामवासियों हेतु विकसित की गई है। गांव में स्वरोजगार को बढावा देने के लिए वर्मीकम्पोस्ट पद्धति द्वारा गोबर से खाद बनाये जाने का प्रोजेक्ट तैयार किया जा रहा है ताकि ग्रामवासियों के लिए गांव में ही रोजगार उपलब्ध हो सके।

अब मैं आपको निर्माण कार्य की प्रगति के बारे में अवगत कराना चाहता हूँ। विश्वविद्यालय के आयुर्विज्ञान महाविद्यालय का अत्याधुनिक विशाल सुन्दर भवन दो वर्ष की निश्चित समयावधि में 40 करोड़ रूपये की लागत से बनकर तैयार हो चुका है। माननीय मुख्यमंत्री महोदया ने इस भवन के लोकार्पण के अवसर पर इसी परिसर में लगभग 120 करोड़ रूपये की लागत से बनने वाले 500 बैड के नवीन चिकित्सालय भवन की नींव भी रख दी है, जिसके पूर्ण होने पर संचालित करने से राज्य के सबसे बड़े चिकित्सालय एस.एम.एस. अस्पताल पर रोगियों का भार निश्चित ही कम होगा एवं राज्य के नागरिकों को इससे सम्पूर्ण स्वास्थ्य लाभ मिलेगा।

इस विश्वविद्यालय की अन्य उपलब्धियों मुख्यतः राजकीय जयपुरिया अस्पताल की 300 से 400 बेडस् में विस्तार, सुपरस्पेशियलिटी सेवाएं प्रारंभ करने का पीपीपी मोड पर कार्य करने एवं डिजिटल लाईब्रेरी विकसित करने का कार्य एवं सिम्युलेशन लैब की स्थापना आदि प्रक्रियाधीन गतिविधियां इस विश्वविद्यालय को समय की मांग के अनुरूप आधुनिक संस्थान के रूप में स्थापित करने में मददगार होंगी। नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन से संबद्धरेजीडेन्सी प्रोगाम का शुभारंभ निकट भविष्य में होने जा रहा है।

अन्त में आप सभी, सुधी सभाजनों को कोटिशः बधाईयां व सुखद सेवामय सफल भविष्य की मंगल कामनायें, मंगल वंदनाऐं।

धन्यवाद

जयहिन्द।